मुर्गी और चील

Høne og Ørn

- Ann Nduku
- Wiehan de Jager
- Nandani
- hindi / bokmål
- nivå 3

(uten bilder)

एक समय की बात है, मुर्गी और चील दोनों दोस्त थे। वे सभी पंछियों के साथ शांति से रहती थी। उनमें से कोई उड़ नहीं सकता था।

. . .

Det var en gang Høne og Ørn var venner. De levde i fred med alle de andre fuglene. Ingen av dem kunne fly.

एक दिन, वहाँ पर सूखा पड़ा। चील बहुत दूर तक भोजन की तलाश में काफ़ी दूर तक गई। वह बहुत थकी हुई वापस आई। “सफर करने के लिए कोई आसान रास्ता होना चाहिए!” चील बोली।

. . .

En gang var det hungersnød i landet. Ørn måtte gå veldig langt for å finne mat. Hun var veldig trøtt da hun kom tilbake. “Det må være en lettere måte å reise på”, sa Ørn.

एक अच्छी नींद के बाद, मुर्गी के पास एक अच्छा उपाय था। उसने सभी पंछियों के गिरे हुए पंखों को इकट्ठा करना शुरू किया। “चलो इन सब पंखों को अपने पंखों के ऊपर सिले,” उसने कहा। “शायद यह सफर को आसान कर दे।”

. . .

Etter en god natts søvn fikk Høne en lys idé. Hun begynte å samle sammen fjær som hadde falt fra alle fuglevennene deres. “La oss sy dem fast utenpå fjærene våre”, sa hun. Kanskje det blir lettere å reise da.

चील पूरे गाँव में अकेली ऐसी थी जिसके पास सुई थी, तो उसने पहले सिलना शुरू किया। उसने अपने से सुंदर पंखों का जोड़ा बनाया और मुर्गी से ऊपर उड़ गयी। मुर्गी ने सुई मांगा लेकिन जल्द ही वह सिलने से थक गई। उसने सुई को अलमारी पर रख दिया और रसोईघर में चली गई अपने बच्चों के लिए खाना बनाने।

. . .

Det var bare Ørn i landsbyen som hadde en synål, så hun begynte først å sy. Hun lagde seg et par nydelige vinger og fløy høyt i sky. Høne lånte nålen, men ble fort trøtt av å sy. Hun la nålen i skapet og gikk for å lage mat til barna sine.

लेकिन दूसरे पंछियों ने चील को उड़ते हुए देख लिया। उन्होंने मुर्गी से उन्हें सुई देने को कहा ताकि वे अपने लिए भी पंख बना ले। जल्द ही वहाँ पर पूरे आकाश में पंछी उड़ने लगे।

. . .

Men de andre fuglene hadde sett Ørn som fløy av gårde. De ba Høne om å få låne nålen for å sy vinger til seg selv også. Snart fløy det fugler overalt under himmelen.

जब आखरी पंछी लिया हुआ सुई लौटने आई, मुर्गी वहाँ नहीं थी। तो उसके बच्चों ने सुई ले ली और उससे खेलना शुरू कर दिया। जब वे खेल कर थक गए, उन्होंने सुई को रेत में छोड़ दिया।

. . .

Da den siste fuglen leverte tilbake nålen de hadde lånt, var ikke Høne der. Så barna hennes tok nålen og begynte å leke med den. Da de ble lei av å leke, lot de nålen ligge igjen i sanden.

बाद में उस दोपहर में, चील लौटी। उसने सुई के लिये पूछा उन पंखों को जोड़ने के लिए जो सफर के दौरान ढीले हो गए थे। मुर्गी ने अलमारी के ऊपर देखा। उसने रसोईघर में देखा। उसने आँगन में देखा। लेकिन सुई कही नहीं मिली।

. . .

Senere den ettermiddagen kom Ørn tilbake. Hun ba om nålen for å feste noen fjær som hadde løsnet på turen. Høne lette i skapet. Hun lette på kjøkkenet. Hun lette på gårdsplassen. Men nålen var ikke å se noen steder.

“मुझे सिर्फ एक दिन दो,” मुर्गी ने चील से प्रार्थना की। “तब तुम अपने पंखों को जोड़ सकोगी और फिर से खाने की तलाश में दूर तक जा सकोगी।” “सिर्फ एक दिन और,” चील बोली। “यदि तुमने सुई को नहीं ढूंढ़ा, तो तुम अपना एक चूज़ा मुझे दोगी मूल्य के रूप में।”

. . .

“Gi meg bare en dag”, bønnfalt Høne Ørn. “Så kan du reparere vingen din og finne mat igjen.” “Bare én dag til”, sa Ørn. “Finner du ikke nålen må du gi meg en av kyllingene dine som betaling.”

जब चील दूसरे दिन आई, उसने पाया मुर्गी रेत खोद रही है, लेकिन सुई नहीं मिला। तो चील नीचे की तरफ तेजी से उड़ी और एक चूज़े को पकड़ लिया। वह उसे दूर ले गई। उसके बाद से, जब भी चील देखती, वह मुर्गी को रेत में सुई को ढूंढता हुआ पाती।

. . .

Da Ørn kom igjen dagen etter, så hun Høne som rotet i sanden, men ingen nål. Så Ørn stupte lynraskt ned, fanget en av kyllingene og dro av gårde med den. Siden den gang ser Ørn alltid at Høne roter i sanden etter nålen når hun dukker opp.

जब चील के पंखों की छाया जमीन पर पड़ता, मुर्गी अपने चूजों को चेतावनी देती। “इस खाली और सूखे जमीन से बाहर जाओ।” और वह उत्तर देते: “हम मूर्ख नहीं है। हम दौड़ सकते हैं।”

. . .

Når Ørns vinge kaster sin skygge på bakken, varsler Høne kyllingene sine: “Kom dere vekk fra den åpne plassen.” Og de svarer: “Vi er ikke dumme. Vi skal løpe.”

Barnebøker for Norge

barneboker.no

मुर्गी और चील

Høne og Ørn

Skrevet av: Ann Nduku
Illustret av: Wiehan de Jager
Oversatt av: Nandani (hi), Finn Stranger-Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.